मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

# (ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर– 342003

दिनांकः 12 सितम्बर 2014

## जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

| मौसमी तत्व / दिनांक | 12-09-14 | 13-09-14 | 14-09-14 | 15-09-14 | 16-09-14 |
|---|---|---|---|---|---|
| वर्षा (मि.मी.) | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| अधिकतम तापमान (°सेल्सियस) | 31 | 32 | 33 | 33 | 33 |
| न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस) | 25 | 26 | 27 | 27 | 28 |
| बादलों की स्थिति (ओक्टा) | 3 | 2 | 1 | 0 | 0 |
| सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह | 90 | 92 | 85 | 82 | 82 |
| सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम | 42 | 40 | 42 | 40 | 38 |
| हवा की गति (कि.मी/घंटा) | 11 | 20 | 18 | 17 | 18 |
| हवा की दिशा | दक्षिण–दक्षिण–पश्चिम | दक्षिण–पश्चिम | दक्षिण–पश्चिम | दक्षिण–पश्चिम | दक्षिण–पश्चिम |

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाह :

बाजरा में फड़का कीट के नियंत्रण हेत, मिथाइल पैराथियान 2 प्रतिशत चूर्ण या मैलाथियान 5 प्रतिशत चूर्ण में से किसी एक रसायन की 25 किलोग्राम मात्रा प्रति हैक्टर की दर से भुरकाव करें।

तिल में छाछ्या रोग के नियन्त्रण के लिए 20 किलो गन्धक के चूर्ण का प्रति हैक्टर भुरकाव करें।

मूंग व मोठ में फली छदक कीट की रोकथाम के लिए मोनोक्रोटोफॉस 36 डब्ल्यू.एस. सी. या क्यूनॉलफॉस 25 ई.सी. दवा एक लीटर प्रति हैक्टर की दर से फूल व फली आते ही छिड़काव करें।

ग्वार की फसल में झुलसा रोग के नियन्त्रण के लिए 2.5 से 3 किलो ताम्बायुक्त फफूंदनाशी का प्रति हैक्टर छिड़काव करं।

चारागाह/बाड़े की साफ–सफाई का विशेष ध्यान रखें। पशुओं को हरे चारे के साथ सूखा चारा मिलाकर खिलावें।

भेड बकरीयों में पीपीआर, चेचक व फड़किया रोग के टीके अवश्य लगवाए।